# Shri Tandaveshvara Stotram

# श्रीताण्डवेश्वरस्तोत्रम्

## Document Information

Text title : Shri Tandaveshvara Stotram

File name : tANDaveshvarastotram.itx

Category : shiva, chandrashekharabhAratI

Location : doc_shiva

Author : chandrashekharabhAratI

Latest update : June 3, 2020

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 2, 2024

*sanskritdocuments.org*

# श्रीताण्डवेश्वरस्तोत्रम्

वृथा किं संसारे भ्रमथ मनुजा दुःखबहुले
पदाम्भोजं दुःखप्रशमनमरं संश्रयत मे ।
इतीशानस्सर्वान्परमकरुणानीरधिरहो
पदाब्जं ह्युद्धृत्याबुजनिभ करेणोपदिशति ॥ १॥

संसारानलतापतप्त हृदयास्सर्वे जवान्मत्पदं
सेवध्वं मनुजा भयं भवतु मा युष्माकमित्यद्रिशः ।
हस्तेऽग्निं दधदेष भीतिहरणं हस्तं च पादाम्भुजं
ह्युद्धृत्योपदिशत्यहो करसरोजातेन कारुण्यधिः ॥ २॥

ताण्डवेश्वर ताण्डवेश्वर ताण्डवेश्वर पाहि माम् ।
ताण्डवेश्वर ताण्डवेश्वर ताण्डवेश्वर रक्ष माम् ॥ ३॥

गाण्डिवेश्वर पाण्डवार्चित पङ्कजाभपदद्वयं
चण्डमुण्डविनाशिनी हृत वामभागमनीश्वरम् ।
दण्डपाणि कपाल भैरव तण्डुमुख्य गणैर्युतं
मण्डिताखिल विनष्टपं विजितान्धकं प्रणमाम्यहम् ॥ ४॥

भासमान शरीर कान्ति विभासिताखिल विष्टपं
वासवाद्यमृताशसेवित पादपङ्कज संयुतम् ।
कासमान मुखारविन्द जितामृतांशुमशेषहृत्
वासताण्डव शङ्कर सकलाघनाशकमाश्रये ॥ ५॥

मेरुपर्वतकार्मुकं त्रिपुरार्तनिर्जरयाचितं
ज्याकृताखिलसर्पराज महीशतल्प सुसायकम् ।
ज्यारथं चतुरागमाश्वमजेन सारथिसंयुतं
संहृतत्रिपुरं महीध्रसुतानु मोदकमाश्रये ॥ ६॥

गदाभृद्ब्रह्मेन्द्राद्यखिल सुरवृन्दार्च्य चरणं

ददानं भक्तेभ्यश्चितिमखिल रूपामनवधिम् ।
पदास्पृष्टोक्षानं जितमनसिजं शान्तमानसं
सदा शम्भुं वन्दे शुभदगिरिजाश्लिष्टवपुषम् ॥ ७॥

इति श्रीजगद्गुरु श्रीशृङ्गेरीपीठाधिप श्रीचन्द्रशेखरभारती
श्रीपादैः विरचितं श्रीताण्डवेश्वरस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

*Shri Tandaveshvara Stotram*
pdf was typeset on February 2, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*